समारोह • मेवाड़ विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में 1400 विद्यार्थियों को दी उपाधियां

विद्यार्थी के शैक्षणिक जीवन का अनमोल पल होता है दीक्षांत : अर्चना रामासुंदरम

भास्कर संवाददाता | गंगरार

दीक्षांत समारोह किसी भी विद्यार्थी के शैक्षणिक जीवन का अनमोल पल होता है। यह ऐसा जंक्शन होता है, जहां छात्र पूर्व में अर्जित योग्यता, सीख व अनुभव का साक्षी बन रहा होता है। दीक्षा प्राप्त कर समाज उपयोगी कार्यों में अपनी प्रतिभा का परचम लहराने के लिए विश्वविद्यालय से विदा लेता है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के छात्रों को सलाह दूंगी कि सेवा भावना का अपने कार्यक्षेत्र में सर्वोत्तम प्रदर्शन करें।

गंगरार . मेवाड़ यूनिवर्सिटी में कार्यक्रम में मंच पर अतिथि।

उक्त विचार मेवाड़ विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि भारत की लोकपाल सदस्य अर्चना रामासुंदरम ने कही। समारोह में 1400 विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में डिग्रियां प्रदान की गई। रामासुंदरम ने कहा कि मेवाड़ भक्ति और शक्ति की स्थली है। विशिष्ट अतिथि महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति प्रो. अनिलकुमार शुक्ल ने कहा कि जीवन चलते रहने का नाम है। हम सभी के जीवन में ऐसा पल आता है जब हमें सकारात्मक बदलाव के लिए अपना घर, स्कूल, विश्वविद्यालय छोड़कर बदलाव के लिए निर्णय लेने पड़ते हैं। आत्म विश्वास व सकारात्मकता के साथ नए बदलाव का स्वागत करिए। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोककुमार गदिया ने विद्यार्थियों को दूरदृष्टि, कड़ी मेहनत, पक्का इरादा एवं अनुशासन के लिए प्रेरित किया। कहा कि सेवाभाव ही जीवन का मकसद होना चाहिए। जितनी हो सके मेहनत करने की भावना हमें बेहतर इंसान बनाएगी। कुलपति प्रो. केएस राणा ने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसी तपोस्थली है जहां छात्र के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी शोध पीठ, सीवी रमन शोध पीठ की स्थापना की गई है। स्वागत भाषण प्रतिकुलपति आनंदवर्द्धन शुक्ल ने दिया। कहा कि विद्यार्थी किसी भी विश्वविद्यालय के ब्रांड एंबेसडर होते हैं। इस यूनिवर्सिटी में 29 राज्यों और 24 देशों के विद्यार्थी आज उपाधि प्राप्त कर रहे हैं। आकाश इंस्टीट्यूट के संस्थापक जेसी चौधरी को मानद उपाधि दी गई। प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर हरीश गुरनानी, ओएसडी एच विधानी, एकेडमिक डीन डीके शर्मा एवं अतिरिक्त परीक्षा नियंत्रक सुशील शर्मा को विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। एलुमनी मीट का भी आयोजन किया गया। कुल सचिव बीएल स्वर्णकार ने आभार जताया।

Dainik Bhaskar 17-04-2022

मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ दीक्षांत समारोह

विद्यार्थी के जीवन का अनमोल पल होता है दीक्षान्तः अर्चना रामासुन्दरम

पत्रिका
लाइव
रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जिले के गंगरार स्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह

चित्तौड़गढ़. दीक्षान्त समारोह किसी भी विद्यार्थी के शैक्षणिक जीवन का अनमोल पल होता है। यह ऐसा जंक्शन होता है, जहां पर छात्र पूर्व में अर्जित किए गए योग्यताओं, सीख व अनुभवों का साक्षी बन रहा होता है तथा दीक्षा प्राप्त कर समाजोपयोगी कार्यों में अपनी प्रतिभा का परचम लहराने के लिये अपने विश्वविद्यालय से विदा लेता है। यह विचार मेवाड़ विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षान्त समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भारत की लोकपाल सदस्या अर्चना रामा सुन्दरम् ने कही। आगे उन्होंने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय भक्ति और शक्ति की स्थली है। यहां की भावनापूर्ण भक्ति समाज कल्याण की शक्ति से निहित दीक्षा लेकर आप विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें।

विशिष्ट अतिथि महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ला ने कहा कि जीवन चलते रहने का नाम है। हम सभी के जीवन में ऐसा पल आता है जब हमें सकारात्मक बदलाव के लिये अपना घर, अपना विद्यालय, विश्वविद्यालय छोड़कर बदलाव के लिये निर्णय लेने पड़ते हैं। ऐसे में आत्म विश्वास व सकारात्मकता के साथ नये बदलाव का स्वागत करिए। मेवाड़ विश्वविद्यालय ने आपको मिनी-इण्डिया का जो माहौल दिया है, उसमें पुष्पित सामाजिक समरसता का भाव पूरे संसार में फैलाएं। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि आपके व्यक्तिगत विकास व आपके जरिए राष्ट्र निर्माण में मेवाड़ विश्वविद्यालय सदैव आपके साथ है। कुलपति प्रो. (डॉ.) के.एस राणा ने कहा कि विश्वविद्यालय एक ऐसी तपोस्थली है जहां किसी भी छात्र के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने विश्वविद्यालय के क्रियाकलापों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने महात्मा गांधी शोध पीठ, सी.वी. रमन शोध पीठ की स्थापना की गई है। दीक्षान्त समारोह का स्वागत भाषण देते हुए प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि विद्यार्थी किसी भी विश्वविद्यालय के ब्राण्ड अम्बेसडर होते है। मेवाड़ विश्वविद्यालय का यह सौभाग्य है कि आज यहां भारत के 29 राज्यों और विश्व के 24 देषों के विद्यार्थी अपनी उपाधि प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम देष-दुनिया में रोषन करेंगे। दीक्षान्त समारोह में आकाश इन्स्टीट्यूट के संस्थापक जे.सी. चौधरी को मानद उपाधि प्रदान की गई। समारोह में विश्वविद्यालय के 1400 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। प्लेसमेन्ट विभाग के डायरेक्टर हरीष गुरनानी, ओएसडी एच. विधानी, ऐकेडमिक डीन डी.के. शर्मा एवं अतिरिक्त परीक्षा नियन्त्रक सुशील शर्मा को विषिष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित किया गया। समारोह के उपरान्त एलुमनी मीट का भी आयोजन किया गया। जिसमें विगत वर्षों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में अध्ययन के दौरान अपने मधुर अनुभवों को साझा किया। धन्यवाद ज्ञापन कुल सचिव बी. एल. स्वर्णकार ने किया। समारोह का आरम्भ कुलगीत व सामूहिक राष्ट्रगान से हुआ।

Go to Settings

दीक्षांत विद्यार्थी के जीवन का अनमोल पल : अर्चना रामासुन्दरम

■ मेवाड़ विश्वविद्यालय में दीक्षान्त समारोह आयोजित

नवज्योति/गंगरार।

दीक्षान्त समारोह किसी भी विद्यार्थी के शैक्षणिक जीवन का अनमोल पल होता है। यह ऐसा जंक्शन होता है, जहां पर छात्र पूर्व में अर्जित योग्यताओं, सीख व अनुभवों का साक्षी बन रहा होता है तथा दीक्षा प्राप्त कर समाजोपयोगी कार्यों में अपनी प्रतिभा का परचम लहराने के लिये अपने विष्वविद्यालय से विदा लेता है। यह विचार भारत की लोकपाल सदस्या अर्चना रामा सुन्दरम् ने मेवाड़ विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मेवाड़

गंगरार। दिक्षात समारोह में उपस्थित अतिथिगण।

विश्वविद्यालय भक्ति और शक्ति की स्थली है। विशिष्ठ अतिथि महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अनिल कुमार शुक्ल ने कहा कि जीवन चलते रहने का नाम है। हम सभी के जीवन में ऐसा पल आता है जब हमें सकारात्मक बदलाव के लिये अपना घर, अपना विद्यालय, विश्वविद्यालय छोड़कर बदलाव के लिये निर्णय लेने पड़ते है। ऐसे में आत्म विश्वास व सकारात्मकता के साथ नये बदलाव का स्वागत करिए। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने विद्यार्थियों को सफलता के मूल मन्त्र देते हुए कहा कि दूरदृष्टि, कड़ी मेहनत, पक्का इरादा एवं अनुशासन आपको सफलता के शिखर पर ले जायेगी। सेवा भाव ही जीवन का असली मकसद होना चाहिए। कुलपति प्रो. के.एस राणा ने कहा कि विश्वविद्यालय एक ऐसी तपोस्थली है जहां किसी भी छात्र के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय का यह सौभाग्य है कि आज यहां भारत के 29 राज्यों और विश्व के 24 देशों के विद्यार्थी अपनी उपाधि प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम देश-दुनिया में रोशन करेंगे। दीक्षान्त समारोह में आकाश इन्स्टीट्यूट के संस्थापक जे.सी. चौधरी को मानद उपाधि प्रदान की गई। समारोह में विश्वविद्यालय के 1400 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। साथ ही विश्वविद्यालय के प्लेसमेन्ट विभाग के डायरेक्टर हरीश गुरनानी, ओएसडी एच. विधानी, एकेडमिक डीन डी.के. शर्मा एवं अतिरिक्त परीक्षा नियन्त्रक सुशील शर्मा को विशिष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन कुल सचिव बी. एल. स्वर्णकार ने किया।

Dainik Navajyoti 17-04-2022

प्रधानाध्यापिका प्रियंका पुरोहित को पीएचडी

चित्तौड़गढ़ | डीपीएस द ब्रेन स्कूल की प्रधानाध्यापिका प्रियंका पुरोहित को पीएचडी की उपाधि मिली। गंगरार स्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय में छठवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि भारत सरकार के लोकपाल की सदस्य अर्चना रामासुंदरम ने उन्हें उपाधि दी। इनका शोध प्रबंध विषय 'राजस्थान में महिला सशक्तिकरण एक समन्वयवेशी अध्ययन पर अध्ययन' है।

Dainik Bhaskar 17-04-2022

किसी भी विद्यार्थी के जीवन का अनमोल पल होता है दीक्षान्त: अर्चना

चित्तौड़गढ़ (प्रात:काल संवाददाता)। दीक्षान्त समारोह किसी भी विद्यार्थी के शैक्षणिक जीवन का अनमोल पल होता है। यह ऐसा जंक्शन होता है, जहां पर छात्र पूर्व में अर्जित की गई योग्यताओं, सीख व अनुभवों का साक्षी बन रहा होता है तथा दीक्षा प्राप्त कर समाजोपयोगी कार्यों में अपनी प्रतिभा का परचम लहराने के लिये अपने विश्वविद्यालय से विदा लेता है। उक्त विचार मेवाड़ विश्वविद्यालय के छठे दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि भारत की लोकपाल सदस्या अर्चना रामा सुन्दरम् ने व्यक्त किये। विशिष्ट अतिथि महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ल ने कहा कि जीवन चलते रहने का नाम है। कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा-कि व्यक्तिगत विकास व आपके जरिए राष्ट्र निर्माण में मेवाड़ विश्वविद्यालय सदैव आपके साथ है। कुलपति प्रो. के.एस राणा ने कहा कि विश्वविद्यालय एक ऐसी तपोस्थली है, जहां किसी भी छात्र के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। स्वागत भाषण देते हुए प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि विद्यार्थी किसी भी विश्वविद्यालय के ब्रॉण्ड अम्बेसडर होते है। मेवाड़ विश्वविद्यालय का यह सौभाग्य है कि आज यहां भारत के 29 राज्यों और विश्व के 24 देशों के विद्यार्थी अपनी उपाधि प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम देश-दुनिया में रोशन करेंगे। आकाश इन्स्टीट्यूट के संस्थापक जे.सी. चौधरी को मानद उपाधि प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के 1400 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। साथ ही विश्वविद्यालय के प्लेसमेन्ट विभाग के डायरेक्टर हरीश गुरनानी, ओएसडी एच. विधानी, ऐकेडमिक डीन डी.के. शर्मा एवं अतिरिक्त परीक्षा नियन्त्रक सुशील शर्मा को विषिष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित किया गया।

चित्तौड़गढ़। दीक्षांत समारोह में मंचासीन अतिथि।

Pratahkal 17-04-2022

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

दीक्षान्त समारोह विद्यार्थी के शैक्षणिक जीवन का अनमोल पलः अर्चना रामासुन्दरम्

गंगरार, 16 अप्रैल (जसं.)। दीक्षान्त समारोह किसी भी विद्यार्थी के शैक्षणिक जीवन का अनमोल पल होता है, यह एक ऐसा जंक्शन होता है जहां छात्र पूर्व में अर्जित की गई योग्यताओं, सीख व अनुभवों का साक्षी बन रहा होता है तथा दीक्षा प्राप्त कर समाजोपयोगी कार्यों में अपनी प्रतिभा का परचम लहराने के लिये अपने विश्व विद्यालय से विदा लेता है।

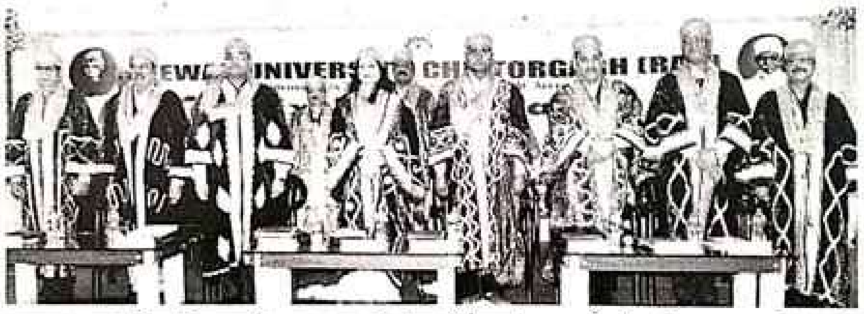

यह बात मेवाड़ विश्वविद्यालय के छठे दीक्षान्त समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भारत की लोकपाल सदस्या अर्चना रामा सुन्दरम् ने कही। उन्होंने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय भक्ति और शक्ति की स्थली है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के सभी डिग्री धारक छात्रों को यही सलाह दूंगी कि यहां की भावनापूर्ण भक्ति, समाज कल्याण की शक्ति से निहित दीक्षा लेकर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में सर्वोत्तम प्रदान कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। समारोह के विशिष्ट अतिथि महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ल ने कहा कि जीवन चलते रहने का नाम है। हम सभी के जीवन में ऐसा पल आता है जब हमें सकारात्मक बदलाव के लिये अपना घर, अपना विद्यालय, विश्वविद्यालय छोड़कर बदलाव के लिये निर्णय लेने पड़ते है। ऐसे में आत्म विश्वास व सकारात्मकता के साथ नये बदलाव का स्वागत करिए। मेवाड़ विश्वविद्यालय ने आपको मिनी-इण्डिया का जो माहौल दिया है, उसमें पुष्पित सामाजिक समरसता का भाव पूरे संसार में फैलाएं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपके व्यक्तिगत विकास व आपके जरिए राष्ट्र निर्माण में मेवाड़ विश्वविद्यालय सदैव आपके साथ है। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता के मूल मंत्र देते हुए कहा कि दूरदृष्टि, कड़ी मेहनत, पक्का इरादा एवं अनुशासन आपको जीवन में सफलता के शिखर पर ले जाएगा। कुलपति डॉ. केएस राणा ने कहा कि विश्वविद्यालय एक ऐसी तपो-स्थली है जहां किसी भी छात्र के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने विश्वविद्यालय के क्रियाकलापों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने महात्मा गांधी शोध पीठ, सीवी रमन शोध पीठ की स्थापना की गई है। दीक्षान्त समारोह में स्वागत भाषण देते हुए प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि विद्यार्थी किसी भी विश्वविद्यालय के ब्रॉण्ड अम्बेसडर होते है। मेवाड़ विश्वविद्यालय का यह सौभाग्य है कि आज यहां भारत के 29 राज्यों और विश्व के 24 देशों के विद्यार्थी अपनी उपाधि प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम देश-दुनिया में रोशन करेंगे।

दीक्षान्त समारोह में आकाश इन्स्टीट्यूट के संस्थापक जेसी चौधरी को मानद उपाधि तथा विश्वविद्यालय के 1400 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के प्लेसमेन्ट विभाग के डायरेक्टर हरीश गुरनानी, ओएसडी एच विधानी, ऐकेडमिक डीन डीके शर्मा एवं अतिरिक्त परीक्षा नियंत्रक सुशील शर्मा को विशिष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित किया गया। समारोह के उपरान्त एलुमनी मीट का भी आयोजन किया गया। जिसमें विगत वर्षों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में अध्ययन के दौरान अपने मधुर अनुभवों को साझा किया। धन्यवाद ज्ञापन कुल सचिव बीएल स्वर्णकार ने किया। समारोह का शुभारंभ कुलगीत व समापन राष्ट्रगान से हुआ।

Jannayak 17-04-2022